Punjab Kesari 9.2.2011

महंगे होंगे सेब बॉक्स : सरदाना

प्रदेश सरकार केन्द्र सरकार के समक्ष उठाए मामला, पेपर की कमी पैदा करने को मिलों को ही बंद कर दिया जा रहा

सोलन : हिमाचल प्रदेश के गत्ता उद्योग के प्रधान व अन्य सदस्य प्रैस वार्त्ता करते हुए। (प्रेम)

सोलन, 8 फरवरी (पाल): यू.पी. की पेपर मिलों की मनमानी व कथित धक्केशाही के चलते सेब के बाक्स महंगे होने के आसार हो गए हैं। बाक्स की कीमत 50 रुपए होने की सम्भावना है। इससे प्रदेश के बागवानों को काफी नुक्सान उठाना पड़ सकता है। यह बात हिमाचल प्रदेश गत्ता उद्योग के प्रधान गिरीश सरदाना ने यहां आयोजित प्रैस वार्ता में कही। उन्होंने बताया कि पेपर मिलें मनमर्जी से क्राफ्ट पेपर के दामों को बढ़ा रही हैं, स्थिति यह है कि इन मिलों द्वारा लगभग हर महीने पेपर के दामों को बढ़ाया जा रहा है। यही नहीं बाजार में पेपर की कमी पैदा करने के लिए मिलों को ही बंद कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि उत्तर क्षेत्र पेपर मिल्स एसोसिएशन ने अपनी सभी पेपर मिलों को 26 जनवरी से 8 फरवरी तक बंद कर दिया है। सेब सीजन के शुरू होने से पूर्व पेपर मिलें अक्सर ऐसा ही कर रही हैं ताकि मांग बढ़ने की आड़ में वे दामों में बढ़ौतरी कर सकें। श्री सरदाना ने बताया कि पेपर मिलें यू.पी. में स्थापित हैं जिस कारण मिल मालिक अपनी पूरी मनमानी कर रहे हैं। उनका कहना है कि गत्ता उद्योग में प्रतिदिन 15000 टन पेपर की खपत है जबकि प्रदेश में स्थापित पेपर मिलों में प्रति दिन 200 से 250 पेपर का उत्पादन हो रहा है। इसी कारण उन्हें यू.पी. से पेपर खरीदना पड़ रहा है। श्री सरदाना ने इस मामले में मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल से हस्तक्षेप करने व केंद्र के समक्ष मामला उठाने की मांग की है, वहीं पेपर मिल्स की मनमानी के विरोध में हिमाचल प्रदेश के सभी गत्ता उद्योग 14 फरवरी को एक दिन की हड़ताल पर रहेंगे। इस मौके पर संघ के महासचिव सुरेंद्र जैन, बी.बी.एन. के प्रधान बलदेव गोयल, परवाणु के प्रधान दौलत ठाकुर व अशोक राणा उपस्थित थे।